

Prepared by

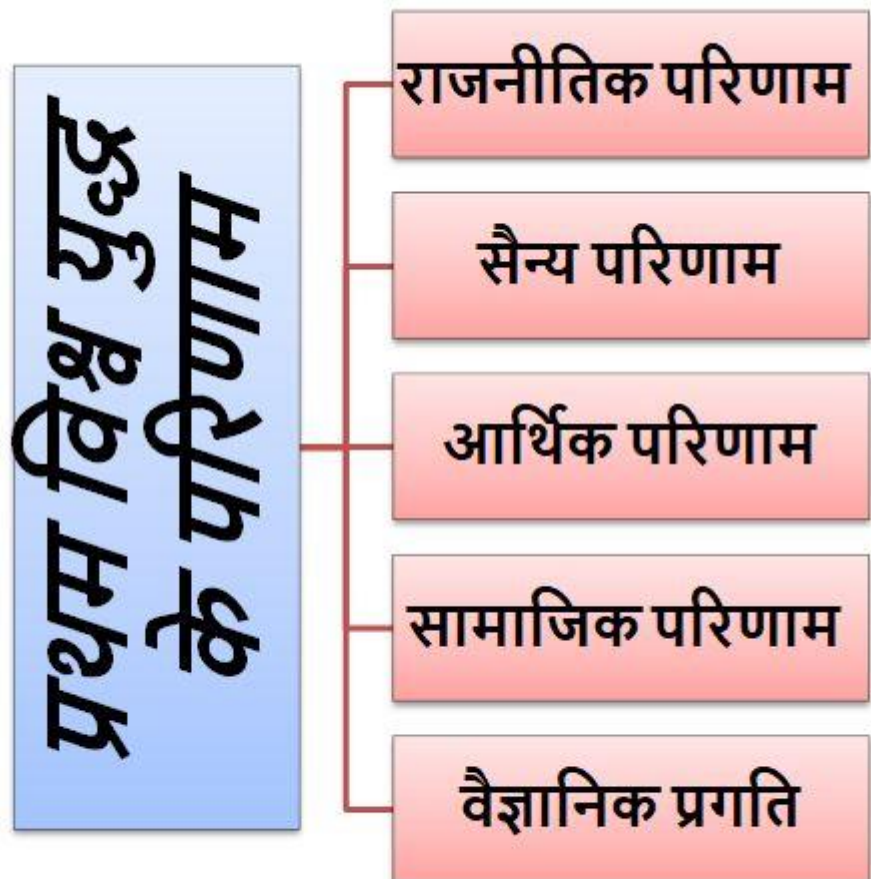
Dr. Md.Haider Ali, Assistant Professor

Dept.of History, R.B.G. R. College

Maharajganj, JPU, Chapra

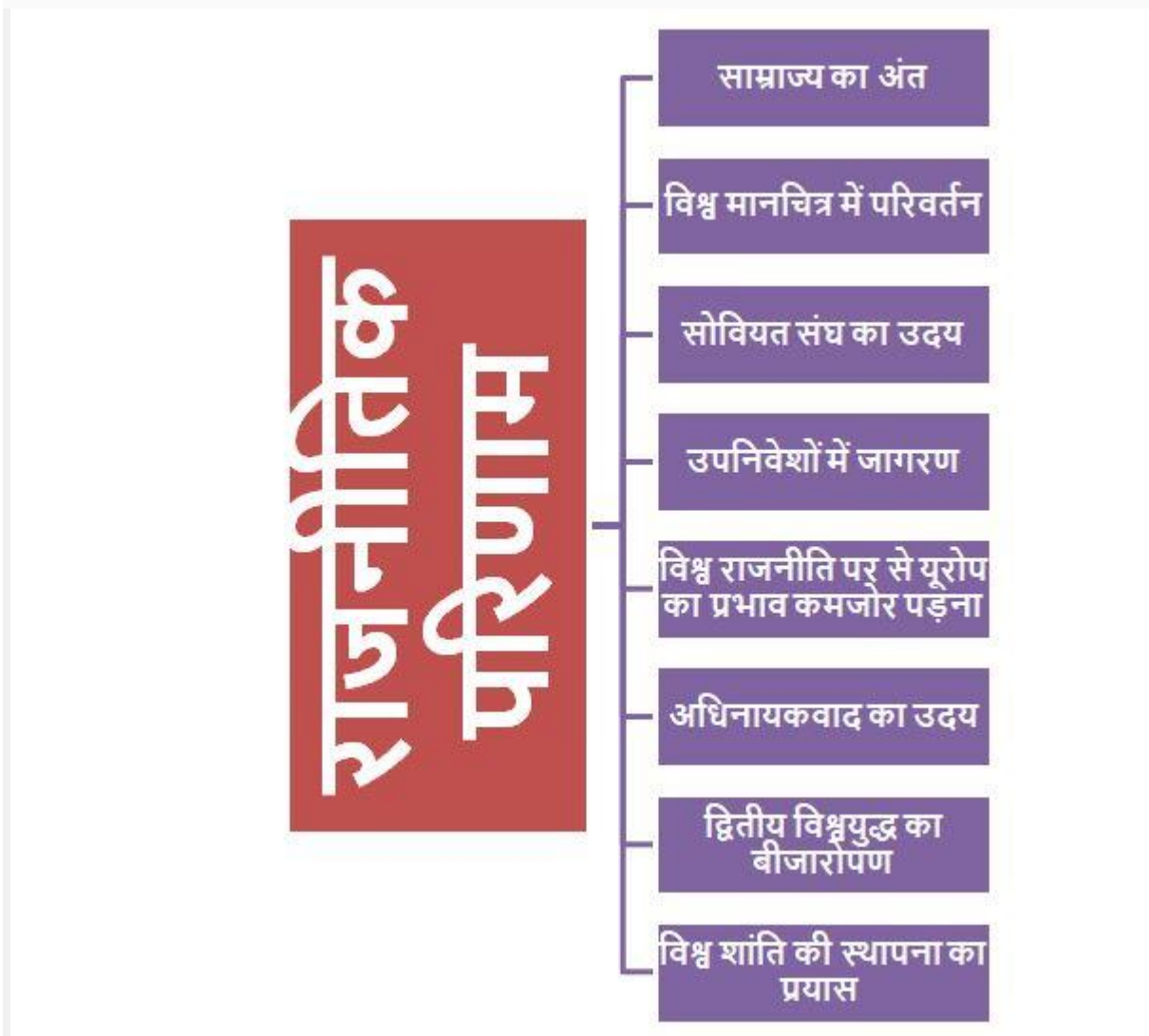
Question: Discuss the Impact of the World War I

### प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम



परिणामों के दृष्टिकोण से प्रथम विश्वयुद्ध को विश्व इतिहास का एक परिवर्तन बिंदु माना गया है। इसके अनेक तत्कालीन और दूरगामी परिणाम हुए। इस युद्ध का प्रभाव राजनीतिक, सैनिक, सामाजिक और अर्थव्यवस्था पर पड़ा—

### राजनीतिक परिणाम



#### साम्राज्य का अंत

- प्रथम विश्वयुद्ध में जिन बड़े साम्राज्य में केंद्रीय शक्तियों के साथ भाग लिया था उनका युद्ध के बाद पतन हो गया।
- पेरिस शांति सम्मेलन के परिणाम स्वरूप ऑस्ट्रिया हंगरी सम्राज्य बिखर गया।

- जर्मनी में **होहेन्जोर्लन** और ऑस्ट्रिया हंगरी में **हप्सबर्ग** राजवंश का शासन समाप्त हो गया. वहां गणतंत्र की स्थापना हुई.
- इसी प्रकार 1917 में रूसी क्रांति के परिणाम स्वरूप रूस में **रोमोनोव राजवंश** की सत्ता समाप्त हो गई एवं गणतंत्र की स्थापना हुई.
- तुर्की का ऑटोमन साम्राज्य भी समाप्त हो गया उसका अधिकांश भाग यूनान और इटली को दे दिया गया.

### विश्व मानचित्र में परिवर्तन

- प्रथम विश्वयुद्ध के बाद विश्व मानचित्र में परिवर्तन आया. साम्राज्यों के विघटन के साथ ही **पोलैंड**, **चेकोस्लोवाकिया**, **युगोस्लाविया** जैसे नए राष्ट्रों का उदय हुआ.
- **ऑस्ट्रिया, जर्मनी, फ्रांस और रूस** की सीमाएं बदल गई.
- **बाल्टिक साम्राज्य**, रूसी साम्राज्य से स्वतंत्र कर दिए गए.
- एशियाई और अफ्रीकी उपनिवेशों पर मित्र राष्ट्रों का अधिकार करने से वहां भी परिस्थिति बदली. इसी प्रकार जापान को भी अनेक नए क्षेत्र प्राप्त हुए. इराक को ब्रिटिश एवं सीरिया को फ्रांसीसी संरक्षण में रख दिया गया.
- **फिलिस्तीन, इंग्लैंड** को दे दिया गया.

### सोवियत संघ का उदय

- प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान रूस में 1917 में बोल्शेविक क्रांति हुई. इसके परिणाम स्वरूप रूसी साम्राज्य के स्थान पर सोवियत संघ का उदय हुआ. जारशाही का स्थान समाजवादी सरकार ने ले लिया.

**उपनिवेशों में जागरण** युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों ने घोषणा की थी कि युद्ध समाप्त होने पर अंतिम निर्णय के सिद्धांत को लागू किया जाएगा. इससे अनेक उपनिवेशों और पराधीन देशों में स्वतंत्रता प्राप्त करने की भावना बलवती हुई. प्रत्येक उपनिवेश में राष्ट्रवादी आंदोलन आरंभ हो गए. भारत में भी महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1917 से स्वतंत्रता संग्राम का निर्णायक चरण आरंभ हुआ.

### विश्व राजनीति पर से यूरोप का प्रभाव कमजोर पड़ना

युद्ध के पूर्व तक विश्व राजनीति में यूरोप का अग्रणी भूमिका थी. जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड और रूस के इर्द-गिर्द विश्व राजनीति घूमती थी. परंतु 1918 के बाद यह स्थिति बदल गई योद्धोत्तर काल में अमेरिका का दबदबा बढ़ गया.

### अधिनायकवाद का उदय

- प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम स्वरूप अधिनायकवाद का उदय हुआ.
- वर्साय की संधि का सहारा लेकर जर्मनी में हिटलर और उसकी नाजी पार्टी ने सत्ता हथिया ली.
- नाजीवाद ने एक नया राजनीतिक दर्शन दिया इससे सारी सत्ता एक शक्तिशाली नेता के हाथों में केंद्रित कर दी गई.
- जर्मनी के समान इटली में भी मुसोलिनी के नेतृत्व में फासीवाद का उदय हुआ. इटली भी पेरिस सम्मेलन से असंतुष्ट था. अतः मित्र राष्ट्रों के प्रति इटली की कटुता बढ़ती गई. हिटलर के सामान और मुसोलिनी में भी सारी सत्ता अपने हाथों में केंद्रित कर ली.

### द्वितीय विश्वयुद्ध का बीजारोपण

प्रथम विश्वयुद्ध ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बीच भी बो दिए. पराजित राष्ट्रों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया इससे वह अपने को अपमानित समझने लगे. उन राष्ट्रों में पुनः उग्र राष्ट्रीयता प्रभावी बन गई प्रत्येक राष्ट्र एक बार फिर से अपने को संगठित कर अपनी शक्ति बढ़ाने लगा एक एक कर संधि की शर्तों को जोड़ा जाने लगा. इससे विश्व एक बार फिर से बारूद के ढेर पर बैठ गया इसकी अंतिम परिणति द्वितीय विश्वयुद्ध में हुई.

### विश्व शांति की स्थापना का प्रयास प्रथम

#### सैन्य परिणाम

- पेरिस सम्मेलन में पराजित राष्ट्र की सैन्य शक्ति को कमजोर करने के लिए निरस्त्रीकरण की व्यवस्था की गई. इस नीति का सबसे बड़ा शिकार जर्मनी हुआ .विजित राष्ट्रों ने अपनी सैन्य शक्ति में वृद्धि

करनी आरंभ कर दी इस से पराजित राष्ट्रों में भय की भावना जगी. अतः वे भी अपने को मजबूत करने के प्रयास में लग गए इससे हथियारबंदी की होड़ आरंभ हो गई जिसका विश्व शांति पर बुरा प्रभाव पड़ा.

### आर्थिक परिणाम



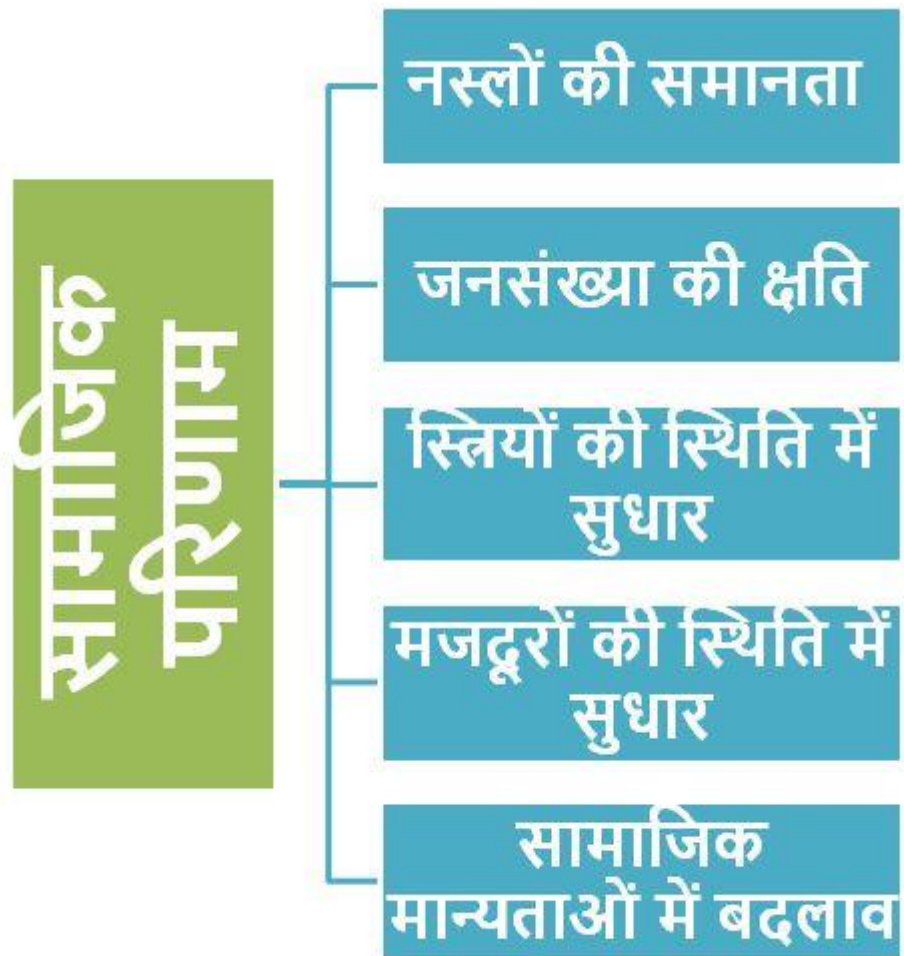
**जन धन की अपार क्षति**  
 प्रथम विश्वयुद्ध एक प्रलयंकारी युद्ध था. इसमें लाखों व्यक्ति मारे गए, अरबों की संपत्ति नष्ट हुई. इसका सामाजिक आर्थिक व्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा. हजारों कल कारखाने बंद हो गए. कृषि उद्योग और व्यापार नष्ट प्राय हो गए. बेकारी और भुखमरी की समस्या उठ खड़ी हुई.

### आर्थिक संकट

प्रथम विश्वयुद्ध ने विश्व में आर्थिक संकट उत्पन्न कर दिया. वस्तुओं के मूल्य बढ़ गए मुद्रा स्थिति की समस्या उठ खड़ी हुई. फलतः संपूर्ण विश्व में आर्थिक अव्यवस्था व्याप्त गई ऋण का भाड़ बढ़ने से जनता पर करो का बोझ बढ़ गया

### सरकारी आर्थिक नीतियों में परिवर्तन

## सामाजिक परिणाम



**नस्लों की समानता**  
युद्ध के पूर्व यूरोपियन नस्लभेद अथवा काला गोरा के विभेद पर अधिक बल देते थे. वह एशिया अफ्रीका के काले लोगों को अपने से ही मानते थे. परंतु युद्ध में उनकी वीरता देखकर उन्हें अपनी धारणा बदलनी पड़ी. धीरे धीरे काला गोरा का भेद कम होने लगा.

**जनसंख्या की क्षति**

**स्त्रियों की स्थिति में सुधार**

**मजदूरों की स्थिति में सुधार**

## सामाजिक मान्यताओं में बदलाव

### *वैज्ञानिक प्रगति*

इस प्रकार कहा जा सकता है कि प्रथम विश्वयुद्ध के कुछ सुखद परिणाम हुए परंतु अधिकांश परिणाम दुखदाई ही थे